रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1777] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 19, 2008/अग्रहायण 28, 1930

No. 1777] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 19, 2008/AGRAHAYANA 28, 1930

## पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2008

**का.आ. 2933(अ).**— केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ.1818(अ), तारीख 25 अक्तूबर, 2007, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii), में प्रकाशित की गई थी (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) और जिसे उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का.आ.805 (अ), तारीख 3 अप्रैल, 2008 द्वारा संशोधित किया गया था, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी (जिसे इसमें इसके पश्चात् संशोधित अधिसूचना कहा गया है) द्वारा राजस्थान राज्य के जयपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 के 120.000 कि.मी. से 228.00 कि.मी. (महुआ-जयपुर सेक्शन) तक के भूखंड का निर्माण (चौड़ा करने/चार लेन का बनाने आदि), अनुरक्षण, प्रबंध और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख 6 नवम्बर, 2007 को "दैनिक भास्कर" और तारीख 8 नवम्बर, 2007 "राजस्थान पत्रिका" और संशोधित अधिसूचना का सार तारीख 19 अगस्त, 2008 को "दैनिक भास्कर" और "राजस्थान पत्रिका" दोनों में प्रकाशित किया गया था;

और यतः भारत सरकार के पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग) की उक्त उल्लिखित अधिसूचना के विरुद्ध जयपुर में राजस्थान के माननीय उच्च न्यायालय में श्री माधो लाल मीणा और अन्य द्वारा दायर की गई याचिका संख्या 2081/2008 के अनुसरण में जयपुर स्थित राजस्थान के माननीय उच्च न्यायालय ने आदेश पारित कर दिए कि यथापूर्व स्थिति जैसा कि आज विद्यमान है को, 12 मार्च, 2008 तक बनाए रखा जाएगा और उक्त यथापूर्व स्थिति 30 मई, 2008 तक बनी रही ।

और यतः जयपुर में राजस्थान के माननीय उच्च न्यायालय ने दिनांक 30 मई, 2008 के अपने आदेश द्वारा यथापूर्व स्थिति के प्रचालन को केवल याचिकाकर्ताओं, नामतः श्री माधो लाल मीणा और अन्य की भूमि तक ही सीमित कर दिया ।

और यतः जयपुर में राजस्थान के न्यायिक माननीय उच्च न्यायालय ने उपर्युक्त स्थगन आदेश को दिनांक 26 अगस्त, 2008 के अपने आदेश द्वारा हटा दिया ।

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी ।

# अनुसूची

राजस्थान राज्य के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 के 120.000 किमी. से 228.000 किमी. (महुआ–जयपुर सेक्शन) तक के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण ।

| क्रम संख्या | जिले का नाम | तालुक का नाम | गांव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | भूमि का प्रकार | भूमि की प्रकृति | क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में) | भूस्वामी / हितबद्ध व्यक्तियों के नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | जयपुर | बस्सी | 1. झर | 2744/680 | निजी | बारानी I | 100 | दौलत पुत्र पांच्या कौम मीणा साकिन देह |
| | | | | 2745/680 | | | | कैलाश चन्द पुत्र पांच्या कौम मीणा साकिन देह |
| | | | | 680 | | | | पूरणमल पुत्र पांच्या कौम मीणा साकिन देह |
| | | | | 679 | निजी | बारानी I | 100 | रामसहाय पुत्र शिवचन्द कौम मीणा सा0 देह |
| | | | | 672 | निजी | चाही III | 300 | रामकुमार पिसरान जिता हि0 1/3, रेवड़मल, रामस्वरूप पिसरान कल्याण, रुकमणी बेवा कल्याण हि0 1/3, भीवां पुत्र नहनू हि0 1/3 कौम मीणा, साकिन देह |
| | | | | 196 | निजी | बारानी II | 200 | रामकुमार पिसरान जिता हि0 1/3, रेवड़मल, रामस्वरूप पिसरान कल्याण, रुकमणी बेवा कल्याण हि0 1/3, भीवां पुत्र नहनू हि0 1/3 कौम मीणा, साकिन देह |
| | | | | 2710/195 | निजी | बारानी II | 140 | मोतीराम, भूराराम, रामजीलाल, लक्ष्मीनारायण पिसरान महादेव, पांची बेवा महादेव कौम मीणा सा0 देह |
| | | | | 2711/195 | निजी | बारानी II | 140 | कानाराम, कैलाशचन्द्र पिसरान कालू हीरादेवी पत्नी कालू जाति मीणा सा0 देह |
| | | | 2.खोरी | 45 | निजी | गैर मुमकीन चाह | 127 | मुलचन्द, श्रवण लाल, रामकिशन पिसरान पांचया, ग्यारसी बेवा पांच्या हि0 1/2, भौरीलाल, महादेव, प्रताप, रेवड़, जैल्या, छोट्या पिसरान चन्द्रा हि0 6/7 हि0 बराबर, गुल्लाराम पुत्र जगदीश व भगवती देवी पत्नी जगदीश हि0 1/7 दर हिस्सा 1/2 |
| | | | 3. बाढ़ चारणानवास | 20/5 | निजी | बारानी II | 4573 | मै0 राधिका टाउनशिप डवलपर्स प्रा0 लि0 जरिये बलदीप गोयल, डायरेक्टर |

[फा. सं. भाराराप्रा/बीओटी-II/11013/12/05]

प्रभाकर, उप-सचिव

**MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS**

**(Department of Road Transport and Highways)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th December, 2008

**S.O. 2933(E).**— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways (Department of Road Transport and Highways) number S.O. 1818 (E), dated the 25th October, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) (hereinafter referred to as the said notification) and issued under sub-section (1) of section 3A of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) (hereinafter referred to as the said Act), and amended by notification number S. O. 805 (E), dated the 3rd April, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) (hereinafter referred to as the amended notification) and issued under sub-section (1) of section 3A of the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the land specified in the Schedule annexed to the said notification for building (widening/four-laning, etc.), maintenance, management and operation of National Highway No. 11 on the stretch of land from Km 120.000 to Km 228.00 (Mahua-Jaipur Section) in District Jaipur in the State of Rajasthan;

And whereas the substance of the said notification has been published in "Dainik Bhasker, dated the 6th November, 2007 and in "Rajasthan Patrika", dated the 8th November, 2007 and of the amendment notification in "Rajasthan Patrika", and "Dainik Bhaskar" both dated the 19th August, 2008; under sub-section (3) of section 3A of the said Act;

And whereas, in pursuance of writ petition number 2081/2008 filed by Shri. Madho Lal Meena & Others in the hon'ble High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur, against the above referred notification of the Government of India in the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways (Department of Road Transport and Highways), the hon'ble High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur ordered that the status quo as it exists today shall be maintained till the 12th March, 2008, and the said status quo continued upto the 30th May, 2008;

And whereas the hon'ble High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur vide its order dated the 30th May, 2008, restricted operation of the status quo only to the land of the petitioners, namely, Shri Madho Lal Meena & Others;

And whereas, the hon'ble High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur vide its order dated the 26th August, 2008 vacated the aforesaid stay order;

And whereas objections have been received and the same have been considered and disallowed by the competent authority;

And whereas, in pursuance of sub-section (1) of section 3D of the said Act, the competent authority has submitted its report to the Central Government;

Now, therefore, upon receipt of the said report of the competent authority and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3D of the said Act, the Central Government hereby declares that the land specified in the said Schedule should by acquired for the aforesaid purpose;

And further, in pursuance of sub-section (2) of section 3D of the said Act, the Central Government hereby declares that on publication of this notification in the Official Gazette, the land specified in the said Schedule shall vest absolutely in the Central Government, free from all encumbrances.

4949 GI/07-2

## SCHEDULE

Brief description of the land to be acquired, with or without structure, falling within the stretch of land from km 120.000 to km 228.000 (Mahua - Jaipur section) of National Highway No. 11 in the State of Rajasthan:

| Serial number | Name of the district | Name of the taluk | Name of the village | Survey number | Type of land | Nature of land | Area (in Square metres) | Name of the land owner/Interested person |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | Jaipur | Bassi | (1) Jhar | 2744/680 | Private | Barani I | 100 | Daulat Ram s/o Panchya Cast Meena Vill. Jhar |
| | | | | 2745/680 | | | | Kailash Chand s/o Panchya Cas Meena, Vill. Jhar |
| | | | | 680 | | | | Puranmal s/o Panchya cast meena, Vill. Jhar |
| | | | | 679 | Private | Barani I | 100 | Ramsahay s/o Shivchand Cast Meena, Vill Jhar |
| | | | | 672 | Private | Chahi III | 300 | Ramkumar s/o Jita Share 1/3, Revadmal, Ramswaroop s/o Kalyan, Rukmani w/o Kalyan share 1/3, Bhiva s/o Nahnu Share 1/3 cast Meena vill Jhar |
| | | | | 196 | Private | Barani II | 200 | Ramkumar s/o Jita Share 1/3, Revadmal, Ramswaroop s/o Kalyan, Rukmani w/o Kalyan share 1/3, Bhiva s/o Nahnu Share 1/3 cast Meena vill Jhar |
| | | | | 2710/195 | Private | Barani II | 140 | Motiram, Bhuraram, Ramjilal, Laxminarayan s/o Mahadev, Panchi w/o Mahadev cast Meena vill Jhar |
| | | | | 2711/195 | Private | Barani II | 140 | Kanaram, Kailashchandra s/o Kalu, Hiradevi w/o Kalu Cast Meena vill Jhar |
| | | | (2) Khori | 45 | Private | Gair Mumkin Chah | 127 | Moolchand, Shrawan Lal, Ramkishan s/o Panchya Gyarsi w/o Panchya share 1/2, Bhorilal, Mahadev, Pratap, Rewad, Jailya, Chhotya s/o Chandra share 6/7 share Equal, Gullaram s/o Jagdish, Bhagwati w/o Jagdish Share 1/7 @ share 1/2 |
| | | | (3) Baad Charnaanwas | 20/5 | Private | Barani II | 4573 | Ms. Radhika Township Developers Pvt Ltd Behalf on Director Baldip Goyal |

[F. No. NHAI/BOT-II/11012/12/05/Pt.]

PRABHAKAR, Dy. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.